शास्त्रीय संगीत (ध्रुपद)
बी.ए. प्रथम वर्ष – प्रथम प्रश्न-पत्र

इकाई १

नाद, शरीर में नाद की उत्पत्ति, शरीर के विभिन्न स्थानों से सम्बंधित नाद की प्रकृति (संगीत रत्नाकर के श्लोक के अनुसार)। पाणिनि द्वारा एवं वेद प्रातिशाख्यों में उल्लेखित तीन वैदिक स्वर (उदात्त, अनुदात्त , स्वरित) की व्याख्या तथा मुद्राओं के प्रयोग के साथ वेद पाठ के विभिन्न शाखाओं में इनका प्रयोग।

इकाई २

संगीत, नाद , श्रुति , स्वर की रत्नाकर आदि ग्रंथों के अनुसार व्याख्या। प्रतिध्वनि, षडज पंचम के सम्बन्ध से उत्पन्न बारह स्वर व बाइस श्रुतियां, सप्तक (मन्द्र, मध्य, तार), पूर्वांग , उत्तरांग , अष्टक, वर्ण, अलंकार, राग वर्गीकरण का प्राचीन राग रागिनी पद्धति तथा विभिन्न मतों के नाम।

इकाई ३

पं. वि. ना. भातखण्डे द्वारा प्रस्तावित आधुनिक ठाठ पद्धति, उनके द्वारा प्रस्तावित १० ठाठ के नाम व स्वर, आश्रय राग, वादी, संवादी, विवादी, वर्जित स्वर, आरोह, अवरोह, राग का औचारात्मक रूप, पकड़, राग की जाति (औडव, षाडव, संपूर्ण), मूर्छना एवं मूर्छना पद्धति से रागों की उत्पत्ति की अवधारणा।

इकाई ४

सामगान, प्रबंध, ध्रुपद , धमार, ख्याल, तराना, चतुरंग, भजन, टप्पा, ठुमरी, मसीतखानी व रज़ाखानी गत का परिचय। शास्त्रीय संगीत, एवं लोक संगीत का ज्ञान तथा गीत, ग़ज़ल, होरी का परिचय एवं महत्व। गायन के विद्यार्थिओं के लिए तानपुरा तथा वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए अपने अपने वाद्य का सामान्य परिचय तथा उनके विभिन्न अवयवो का वर्णन, साथ ही साथ उनके तारों को विभिन्न स्वरों में मिलाने की जानकारी। वाद्यों में जवारी का महत्व।

Ashish Sankrityayan
5/12/2018

इकाई ५

शार्ङ्गदेव, अमीर खुसरो, स्वामी हरिदास, मान सिंह तोमर, तानसेन, नायक गोपाल, नायक बख्शू का संक्षिप्त जीवन परिचय एवं संगीत के क्षेत्र में योगदान । विभिन्न सेनी परम्पराओं का संक्षिप्त इतिहास। संगीत के मुख्य प्राचीन शास्त्र ग्रंथों के नाम तथा उनके लेखकों और लेखन काल की जानकारी । १९ बी शताब्दी तक संगीत के फ़ारसी और हिंदी में लिखे गए प्रमुख ग्रंथों के नाम और संक्षिप्त परिचय।

Abir Somerlyn
5/12/2018